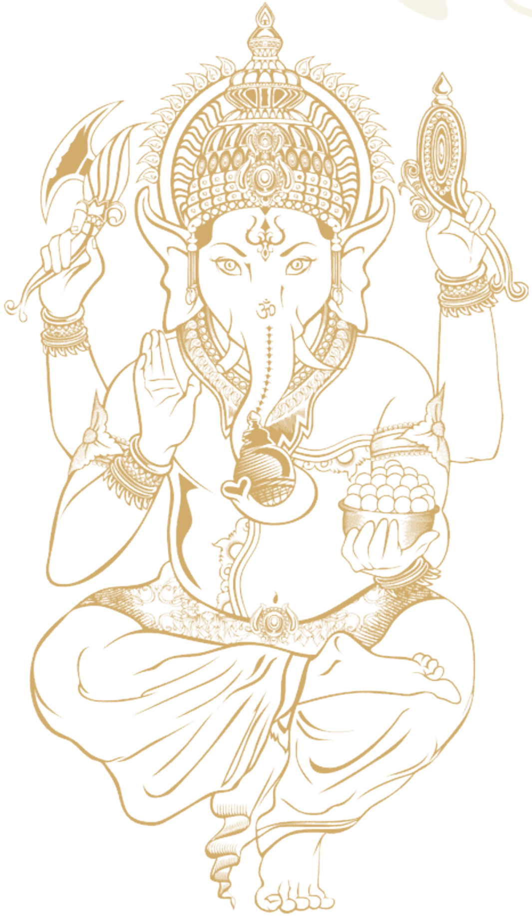

mr.nisikanth kumar yadav

30 Dec 2022

02:36 AM

Bhagalpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 119997105

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29-30/12/2022**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**02:36:00 घंटे**
इष्ट	50:23:03 घटी
स्थान	**Bhagalpur**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:14:00 उत्तर
रेखांश	86:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:17:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:53:56 घंटे
वेलान्तर	-00:01:54 घंटे
साम्पातिक काल	09:27:08 घंटे
सूर्योदय	06:26:46 घंटे
सूर्यास्त	17:01:29 घंटे
दिनमान	10:34:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	13:56:51 धनु
लग्न के अंश	21:57:43 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	वरियान
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	झ-झूलेलाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	21:57:43	314:08:44	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
सूर्य			धनु	13:56:51	01:01:09	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मीन	11:45:23	13:27:48	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
मंगल	व		वृष	15:15:36	00:11:19	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	सम राशि
बुध	व		मक	00:09:34	00:05:28	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	सम राशि
गुरु			मीन	06:46:05	00:06:54	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	स्वराशि
शुक्र			मक	00:33:02	01:15:11	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	मित्र राशि
शनि			मक	28:02:02	00:05:52	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	स्वराशि
राहु	व		मेष	17:33:17	00:00:03	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	17:33:17	00:00:03	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	सम राशि
हर्ष	व		मेष	21:00:48	00:01:13	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
नेप			कुंभ	28:39:46	00:00:53	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
प्लूटो			मक	03:24:57	00:01:53	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
दशम भाव			कर्क	25:11:11	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:31

लग्न-चलित

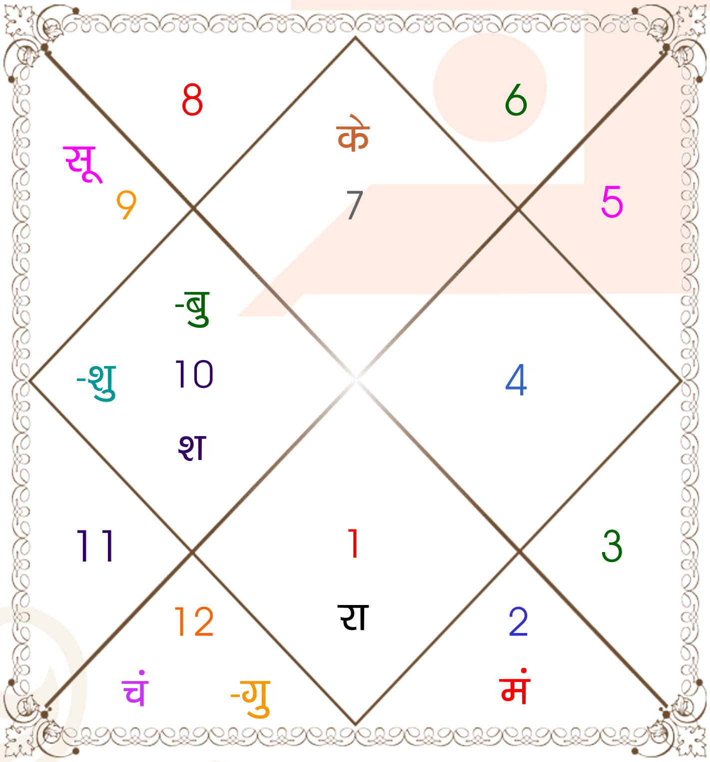

चन्द्र कुंडली

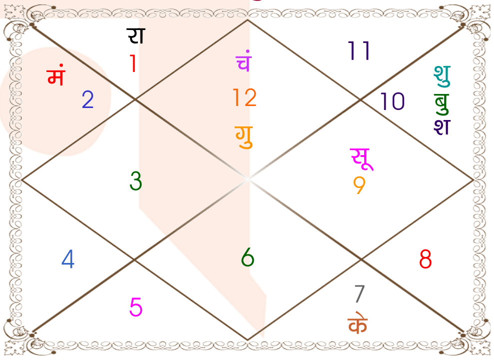

नवमांश कुंडली

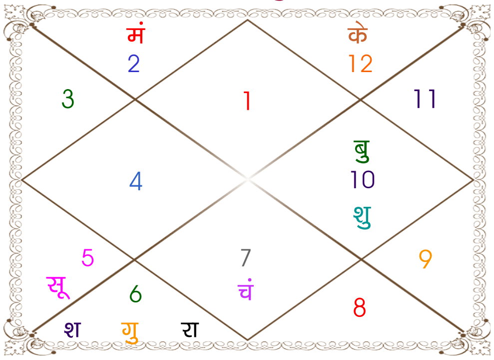

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 6 वर्ष 11 मास 29 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
30/12/2022		28/12/2029		29/12/2046		28/12/2053		28/12/2073	
28/12/2029		29/12/2046		28/12/2053		28/12/2073		29/12/2079	
	00/00/0000	बुध	26/05/2032	केतु	27/05/2047	शुक्र	29/04/2057	सूर्य	17/04/2074
	00/00/0000	केतु	23/05/2033	शुक्र	26/07/2048	सूर्य	29/04/2058	चंद्र	17/10/2074
	00/00/0000	शुक्र	23/03/2036	सूर्य	01/12/2048	चंद्र	29/12/2059	मंगल	21/02/2075
	00/00/0000	सूर्य	28/01/2037	चंद्र	02/07/2049	मंगल	27/02/2061	राहु	16/01/2076
	30/12/2022	चंद्र	29/06/2038	मंगल	28/11/2049	राहु	28/02/2064	गुरु	03/11/2076
चंद्र	02/07/2023	मंगल	26/06/2039	राहु	16/12/2050	गुरु	29/10/2066	शनि	16/10/2077
मंगल	10/08/2024	राहु	13/01/2042	गुरु	22/11/2051	शनि	28/12/2069	बुध	23/08/2078
राहु	17/06/2027	गुरु	19/04/2044	शनि	31/12/2052	बुध	28/10/2072	केतु	29/12/2078
गुरु	28/12/2029	शनि	29/12/2046	बुध	28/12/2053	केतु	28/12/2073	शुक्र	29/12/2079

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
29/12/2079		28/12/2089		28/12/2096		30/12/2114		30/12/2130	
28/12/2089		28/12/2096		30/12/2114		30/12/2130		00/00/0000	
चंद्र	28/10/2080	मंगल	26/05/2090	राहु	10/09/2099	गुरु	16/02/2117	शनि	01/01/2134
मंगल	29/05/2081	राहु	14/06/2091	गुरु	04/02/2102	शनि	30/08/2119	बुध	11/09/2136
राहु	28/11/2082	गुरु	20/05/2092	शनि	11/12/2104	बुध	05/12/2121	केतु	20/10/2137
गुरु	29/03/2084	शनि	29/06/2093	बुध	30/06/2107	केतु	11/11/2122	शुक्र	20/12/2140
शनि	28/10/2085	बुध	26/06/2094	केतु	18/07/2108	शुक्र	12/07/2125	सूर्य	02/12/2141
बुध	30/03/2087	केतु	22/11/2094	शुक्र	18/07/2111	सूर्य	30/04/2126	चंद्र	31/12/2142
केतु	29/10/2087	शुक्र	22/01/2096	सूर्य	11/06/2112	चंद्र	30/08/2127		00/00/0000
शुक्र	29/06/2089	सूर्य	29/05/2096	चंद्र	11/12/2113	मंगल	05/08/2128		00/00/0000
सूर्य	28/12/2089	चंद्र	28/12/2096	मंगल	30/12/2114	राहु	30/12/2130		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 7 वर्ष 0 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशवाखा नक्षत्र के प्रथम चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के संयोजन से मेदिनीय क्षितिज पर जन्मकाल मेष नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण से यह स्मरणीय है कि आप अत्यंत आलसी प्रवृति के प्राणी हैं। इसके प्रभाव से यह भी स्पष्ट है कि आपका भविष्य ईश्वर की अनुकंपा से सांसारिक सुखों से युक्त एवं आप विलासप्रिय जीवन व्यतीत करेंगे।

आप धन संचित करने के लिए अन्य की अपेक्षा अति अनुकूल तरीके से प्रस्तुत होंगे। इस बात से यह भी स्पष्ट है कि आपमें धनोपार्जन की सभी दाव पेंच विद्यमान है। साथ ही आप दो पक्ष को कलह की स्थिति में लाकर अपना लाभ प्राप्त करेंगे। आप मुख्य रूप से अपनी आयु के प्रथम 21 वें वर्ष से 38 वें वर्ष तक 34 वे वर्ष के समयावधि में बहुत धन उपार्जन करेंगे।

आप अनुचित तरीके से बहुसंख्यक व्यक्तियों पर अहंकार की भावना से अधीर होकर आक्रमणकारी रुख आपना कर उसे तंग करने की प्रवृति रखेंगे। अधिकांश व्यक्ति जो आपके संपर्क में आएंगे वे आपकी बचकाना आचरण से अप्रसन्न रह कर आपके शत्रु बन जाएंगे। परंतु आपको अपनी चारित्रिक उच्चता हेतु उत्तम यह है कि आप शक्ति सम्पन्नता प्राप्त करें। अर्थात् मानवीय शक्ति संग्रह करें। तथापि वे लोग आपके स्थायी शत्रु बन ही जाएंगे।

आपका संदिग्ध चरित्र आपकी प्रभावशाली छवि को बेनकाव कर आपको बहुचर्चित एवं कुख्यात प्रदर्शित करेगा। आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को नीति पूर्ण बनाकर व्यवहारणीय बनाएं। अन्यथा आपकी समस्त धारणा कलुषित प्रमाणित होगी।

यदि आपकी ऐसी अभिलाषा है कि आप अपने घरेलू वातावरण एवं अपने परिवारिक जीवन को सुव्यवस्थित रखें तो सदा सर्वदा के लिए कुटनीतिज्ञ तरीके का संपादन करना अनुकूल होगा।

संप्रति आप अति वासना प्रिय व्यक्ति हैं। आप अपने जीवन संगिनी की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सके तथा वातावरण छिन्न भिन्न रहा तो आप संतुष्ट तथा प्रसन्न नहीं रहेंगे। आप सावधानी पूर्वक पारिवारिक एवं घरेलू जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत हो सकता है।

आपकी पत्नी आपको सदैव अच्छी प्रकार से प्रसन्न रखेगी तथा ऐसी आशा है कि आप सदैव अच्छी संतानों का सुख प्राप्त करेंगे।

आप निरंतर कुशलता पूर्वक सक्रिय रहने वाले प्राणी हैं। आप धनोपार्जन हेतु पूर्ण रूपेण लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर अनेक यात्रा करेंगे। आप असामयिक भोजन एवं मद्य पान एवं अति भोजन के कुप्रभाव से कुछ समय के पश्चात आपके उत्तम स्वास्थ्य को प्रभावित कर देगा। आप यदि ऐसा चाहते हैं कि भविष्य में संभावित रोग यथा ट्यूमर, रक्त प्रवाह की न्यूनता संबंधी आदि रोगों से मुक्त रहें तथा मस्तिष्क रोग एवं मूत्र संबंधी रोग की परेशानी से

वंचित रहें तो खान-पान के संबंध में सतर्कता पूर्वक आचरण करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप अंकों में 3, 5, 6 एवं 9 अंक को छोड़कर 1, 2, 4 एवं 7 अंक का व्यवहार करें क्योंकि ये अंक अनुकूल फलदायी है।

आप रंगों में लाल, नारंगी एवं सफेद रंग को धारण करें तथा रंग पीला एवं हरा रंग आपके लिए त्याज्य हैं।